

डॉ. डैनियल के. डार्को, जेल पत्र, सत्र 4, मामले का सार, कुलुस्सियों 2

© 2024 डैन डार्को और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डैन डार्को जेल पत्रों पर अपनी व्याख्यान श्रृंखला में बोल रहे हैं। यह सत्र 4 है, द हार्ट ऑफ द मैटर, कुलुस्सियों 2।

जेल पत्रों पर बाइबिल अध्ययन व्याख्यान श्रृंखला में आपका स्वागत है।

जैसा कि हमने पिछले दो व्याख्यानों, दो या तीन व्याख्यानों में शुरू किया था, हमने कुछ बुनियादी परिचयों को देखा और कुलुस्सियों के अध्याय एक को कवर किया। कुलुस्सियों के अध्याय एक में, मैंने आपका ध्यान कुछ बातों की ओर आकर्षित किया, अर्थात् पॉल की प्रार्थना, धन्यवाद, और कुछ चेतावनियाँ, और हमने पॉल, उसकी सेवकाई, उसके संदेश और उसकी व्यक्तिगत पीड़ा के बारे में बात करके समापन किया। जब मैं पिछले व्याख्यान को समाप्त कर रहा था, तो मैंने अध्याय दो पर थोड़ा सा ध्यान दिया, ताकि आपको यह दिखाने की कोशिश कर सकूँ कि कैसे कभी-कभी, विद्वत्ता में, हमने अध्याय दो की शुरुआत को देखा है, खासकर छंद एक से पाँच तक।

तो मैं आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए इसे जल्दी से पढ़ूँगा। और मैं ESV से पढ़ रहा हूँ। क्योंकि मैं चाहता हूँ कि तुम जानो कि मैं तुम्हारे लिए, और लौदीकिया में रहने वालों के लिए, और उन सभी के लिए जो मुझे आमने-सामने नहीं देख पाए हैं, कितना बड़ा संघर्ष कर रहा हूँ, ताकि उनके दिल प्रोत्साहित हो सकें, प्रेम में एक साथ जुड़े रहें, ताकि वे समझ के पूर्ण आश्वासन के सभी धन तक पहुँच सकें, और उनका उद्धार हो सकें।

और परमेश्वर के रहस्य का ज्ञान, जो मसीह है, जिसमें बुद्धि और ज्ञान के सभी भण्डार छिपे हुए हैं। अंग्रेजी पढ़ने से, आप शायद यह न देख पाएँ कि विद्वान यूनानी पाठ को देखकर क्या देखते हैं। आपको शायद इसका एहसास न हो।

अध्याय एक के अंत में हुई चर्चा इन पहले कुछ आयतों में जारी रही। इसलिए, उदाहरण के लिए, अध्याय दो की शुरुआत को पढ़ने के दो तरीके हैं। ग्रीक में, शब्द जो शुरू होता है उसका अनुवाद होता है।

यह वास्तव में पिछली चर्चा से सीधा संबंध बना सकता है, विशेष रूप से पॉल की पीड़ा पर। फिर, हम अध्याय दो पर जाएंगे, इस पीड़ा की कुछ विशिष्टताओं और महत्व को इंगित करते हुए क्योंकि यह कुलुस्से में चर्चा द्वारा सामना किए जा रहे वर्तमान मुद्दों से संबंधित है। आप इसे एक बहुत ही महत्वपूर्ण खंड की शुरुआत करने पर जोर देने के रूप में भी ले सकते हैं जो पिछली चर्चा पर निर्माण करने का प्रयास करता है।

तो, आप अपनी बाइबल में, अपनी अंग्रेजी बाइबल में देख सकते हैं, एक नया अध्याय शुरू करने के लिए एक ब्रेक है। और फिर भी, जब आप टिप्पणियाँ उठाते हैं, तो आप महसूस कर सकते हैं कि कुछ टिप्पणीकार कहेंगे, नहीं, हम श्लोक 29 से लेकर श्लोक पाँच तक पढ़ना चाहेंगे क्योंकि हम देखते हैं कि वह जोड़ने वाला शब्द वास्तव में श्लोक 29 और श्लोक एक से पाँच के बीच की कड़ी को दर्शाता है। आपकी अंग्रेजी बाइबल के लिए, मैं अध्याय दो की शुरुआत में वापस जाना चाहूँगा ताकि हम अध्याय दो में चर्चा शुरू कर सकें, यह मानते हुए कि हम इसे वहाँ से पढ़ना शुरू कर सकते हैं।

इसका मतलब यह नहीं है कि इस तथ्य के समर्थन में महत्वपूर्ण तर्क को नकार दिया जाए कि आप वास्तव में 29 के अंत को एक तक पढ़ सकते हैं। तो, आइए जल्दी से देखें कि यह लिंक कैसे बनाया जाए। जैसा कि मैंने आपको कुछ सेकंड पहले ही बताया था, इसे इस पिछले परीक्षण की निरंतरता या एक नए पैराग्राफ के रूप में पढ़ा जा सकता है।

अगर हम इसे एक नए पैराग्राफ के रूप में लेते हैं, जैसा कि मैं यहाँ करने की कोशिश करता हूँ, तो इन कुछ आयतों, अध्याय दो, आयत एक से पाँच का ध्यान, यदि आप चाहें तो, झूठी शिक्षाओं के संभावित घुसपैठ या उभरने, झूठी शिक्षाओं के धीमे उभरने की पृष्ठभूमि के खिलाफ पॉल की सेवकाई के सार की प्रकृति या महत्व को उजागर करने पर होगा। कुलुस्से की कलीसिया में, के लिए वह शब्द है जिसका मैं कीवर्ड के रूप में उल्लेख करता रहा हूँ, जिसका उपयोग हम यह देखने के लिए कर सकते हैं कि क्या यह एक नया पैराग्राफ जोड़ता है या शुरू करता है। अध्याय एक में पॉल की चर्चा में, वह शुरू करता है, मैं चाहता हूँ कि आप जानें कि यह कितना बड़ा संघर्ष है।

संघर्ष शब्द का अर्थ विवाद हो सकता है। यह लगभग यह कहने जैसा है कि, मैं चाहता हूँ कि आप कुछ महान बातों को जानें, और जब भी मैं इस परीक्षा में जाता हूँ और महसूस करता हूँ कि, यह सिर्फ यह कहने जैसा नहीं है कि मैं संघर्ष कर रहा था क्योंकि पौलुस को भी सेवकाई में संघर्ष का सामना करना पड़ा था। लेकिन यहाँ उसने कहा, मैं चाहता हूँ कि आप मेरे महान संघर्ष के बारे में जानें।

और आप देखेंगे कि वह बताते हैं कि यह संघर्ष वास्तव में पाठकों के लिए है। कोई यह सवाल उठा सकता है कि पॉल ने यह क्यों कहा कि यह आपके लिए संघर्ष है? और फिर नीचे जाकर कहें, ठीक है, यह उन लोगों के लिए भी है जिनसे मैं आमने-सामने नहीं मिला हूँ। विद्वानों में चर्चा इस तरह होती है।

यह संभव है कि कुलुस्से की कलीसिया में कुछ जाने-पहचाने चेहरे हों। उदाहरण के लिए, इपफ्रास वह व्यक्ति हो सकता है जिसे पौलुस जानता हो। हो सकता है कि कुछ ऐसे लोग हों जिन्हें पौलुस जानता हो और हम बाद में फिलेमोन को देखने आएँ।

फिलेमोन में, हम कुछ ऐसे नामों का उल्लेख करते हैं जो कुलुस्से के कुछ व्यक्तियों के बारे में पौलुस के ज्ञान से परिचित हैं। इसलिए, हो सकता है कि इस कलीसिया में कुछ लोग ऐसे हों जिन्हें पौलुस वास्तव में जानता हो। और यहाँ, हम जो देखते हैं वह शायद पौलुस उन लोगों की ओर

ध्यान आकर्षित कर रहा है जो उसे जानते हैं और कह रहे हैं, आप जानते हैं, मैं आपके लिए इतने समय से संघर्ष कर रहा हूँ।

और मैं लाओदीकिया के विश्वासियों के लिए भी संघर्ष कर रहा हूँ। यह नाम, शायद, उन नामों में से नहीं है जिन्हें आप अंग्रेज़ी में उच्चारण करना पसंद करते हैं और जिसका आप आनंद लेते हैं। लेकिन शायद मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ।

आइए प्रकाशितवाक्य में इस विशेष नाम के दूसरे संदर्भ पर नज़र डालें। इससे हमें यह अंदाज़ा मिलता है कि इस कलीसिया में बाद में क्या हो रहा था। यह कुलुस्सियों के बाद की बात है।

यह रहस्योद्घाटन अध्याय 3 की आयत 14 से है। मैं आपको लौदीकिया के इस चर्च पर एक नज़र डालने के लिए बस एक त्वरित खिड़की दे रहा हूँ। लौदीकिया के उसी चर्च का उल्लेख कुलुस्सियों के अध्याय 4 में किया जाएगा।

इसे पाने और इसे पढ़ने की कोशिश कर रहा हूँ। तो, जॉन के रहस्योद्घाटन में, हमारे पास, उदाहरण के लिए, स्वर्गदूत ने लौदीकिया के चर्च से कहा, वही चर्च जिसका यहाँ उल्लेख किया जा रहा है। जिस शहर का मैंने इस व्याख्यान की शुरुआत में उल्लेख किया है, वह लाइकस घाटी में त्रि-शहरों में से एक है।

हिएरापोलिस सहित। हिएरापोलिस का भी उल्लेख किया जाएगा। लेकिन यह चर्च जॉन के प्रकाशितवाक्य में वर्णित चर्च है।

प्रकाशितवाक्य 3 पद 15 में विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। मैं तेरे कामों को जानता हूँ। तू न तो ठंडा है और न ही गर्म।

लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप भी इनमें से एक हों। हम नहीं जानते कि पत्र के इस समय से लेकर इस पत्र और प्रकाशितवाक्य के बाद के बीच क्या हुआ था। लेकिन अगर आप प्रकाशितवाक्य के अंश को पढ़ें तो जो स्पष्ट रूप से हो रहा है वह यह है।

आप एक ऐसे चर्च को देखने जा रहे हैं जो एक ऐसी जीवनशैली में शामिल है जो बहुत सराहनीय नहीं है। यहाँ, पॉल कुलुस्से के चर्च को याद दिला रहा है, जो कि लौदीकिया के चर्च से सिर्फ 12 मील दूर है, कि वह उनके लिए संघर्ष कर रहा है।

और वह लौदीकिया की उस कलीसिया के लिए भी संघर्ष कर रहा है। वह संघर्ष कर रहा है, जैसा कि उसने कुलुस्सियों की पहली आयत के अंत में कहा है। वह उन लोगों के लिए भी संघर्ष कर रहा है जो उससे आमने-सामने नहीं मिले हैं।

विद्वानों ने इसे इस बात का पक्का संकेत माना है कि पौलुस इस खास शहर में नहीं गया था, जो कि बहुत, बहुत संभव है। लेकिन आयत 2 और 3 पर ध्यान दें। यूनानी में उद्देश्य से शुरू होने वाला यह एक तरह का संकेत है जो हमें बताता है कि यही उद्देश्य है।

यही कारण है कि पॉल जो कह रहा है, वह कह रहा है। वह वास्तव में स्पष्ट रूप से बताना चाहता है कि उसका लक्ष्य क्या है। इसलिए, वह कहता है, वह लिखता है, और इसका अनुवाद इस प्रकार होता है।

ताकि उनके हृदय प्रोत्साहित हों, और वे प्रेम में एक दूसरे से जुड़े रहें, और पूरी समझ और परमेश्वर के रहस्य की पहिचान का सारा धन प्राप्त करें, जो कि मसीह है।

जिनमें परमेश्वर की बुद्धि के सारे खजाने छिपे हुए हैं। इसलिए, अपनी सूची में सबसे पहले, वह उनके लिए संघर्ष कर रहा है। वह लौदीकिया के विश्वासियों के लिए संघर्ष कर रहा है।

वह उन लोगों के लिए भी संघर्ष कर रहा है जो उससे आमने-सामने नहीं मिले हैं। क्यों? वह संघर्ष कर रहा है, और उन्हें यह जानने की ज़रूरत है कि उसका संघर्ष सिर्फ़ इतना नहीं है कि वह किसी तरह की पीड़ा में खुद को शामिल करना चाहता है ताकि वे उसे एक महान शहीद कह सकें। नहीं।

उनकी सारी पीड़ा इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए निर्देशित है। उन्हें हृदय में प्रोत्साहित किया जा सकता है, इसलिए मैं यहीं रुककर हृदय शब्द के बारे में बात करूँगा।

अंग्रेजी में, जब हम हार्ट शब्द का इस्तेमाल करते हैं या अंग्रेजी में अपनी सामान्य अभिव्यक्ति में जब हम हार्ट शब्द का इस्तेमाल करते हैं, तो हम इसे ज़्यादा भावनात्मक बना देते हैं। मैं इसे अपने दिल में महसूस करता हूँ। मेरे एक सहकर्मी हैं जो अपने दयालु शब्दों और हाव-भाव के लिए जाने जाते हैं, जो कहना चाहेंगे, आपका दिल आशीर्वादित हो।

और ये अभिव्यक्तियाँ, जब कही जाती हैं, तो ज़्यादा भावनात्मक अभिव्यक्ति को व्यक्त करती हैं। लेकिन पॉल, मैं संघर्ष कर रहा हूँ। मैं आपकी ओर से यह महान संघर्ष कर रहा हूँ ताकि आप दिल से प्रोत्साहित हो सकें। उस समय ग्रीक भूमध्यसागरीय संस्कृति में हृदय में भावना से परे एक भावना होती है।

यह भावना का बहिष्कार नहीं है, बल्कि यह इच्छा का केंद्र है। यह जीवन का केंद्र है - जुनून का केंद्र।

और कभी-कभी, यह बुद्धि का केंद्र भी हो सकता है। और इसलिए यदि उनके हृदय को प्रोत्साहित किया जाता है, उनके मन को प्रबुद्ध किया जाता है, उनके अस्तित्व की पूरी भावना को प्रज्वलित किया जाता है, और वे उस मार्ग पर चलने में सक्षम होंगे जिसकी अपेक्षा परमेश्वर उनसे करता है। पॉल संघर्ष कर रहा है ताकि उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके।

सिर्फ़ किसी भी तरह से प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि उनके दिलों के केंद्र से या उनके जीवन के केंद्र से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वह यह महान संघर्ष भी कर रहा है ताकि वे एकजुट हो सकें या एक साथ हो सकें, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप उस वाक्यांश का अनुवाद कैसे करते हैं, प्यार में। वह यह सब इसलिए कर रहा है ताकि उनमें एकता की भावना हो।

झूठी शिक्षा के प्रभाव का एक बड़ा या स्वाभाविक परिणाम वास्तव में चर्च में प्रवेश करना और लोगों के बीच विभाजन पैदा करना और कुछ लोगों द्वारा सभी प्रकार के प्रश्न उठाना है, जैसा कि हम उदाहरण के लिए कुरिन्थ के चर्च में देखते हैं। हम जानते हैं कि जब प्रथम कुरिन्थियों में चर्च में एक और प्रकार की शिक्षा थी जो काफी सराहनीय नहीं थी, तो हमारे पास कुछ ऐसे लोग हैं जो कहते हैं, मैं मसीह का हूँ। कुछ ऐसे भी हैं जो कहते हैं, मैं पॉल का हूँ, शायद महान शिक्षक।

और कुछ ऐसे भी हैं जो कहते हैं कि वे कैफा या पीटर, प्रेरितों के नेता से संबंधित हैं। हम इसमें शामिल व्यक्तित्वों को नहीं जानते, लेकिन शायद कुछ लोग कहते हैं कि मैं उस व्यक्ति से संबंधित हूँ जो वास्तव में यीशु के साथ था। और फिर भी, कुछ ऐसे भी थे जिन्होंने कहा कि वे अपोलोस से संबंधित हैं।

और यही वह है जो झूठी शिक्षा करने में सक्षम है। अपोलोस एक करिश्माई व्यक्ति है। यदि आप प्रेरितों के काम 18 की पुस्तक में इस व्यक्ति के बारे में भूल गए हैं, तो वह अलेक्जेंड्रिया का एक करिश्माई व्यक्ति था।

एक समय ऐसा भी था जब वह अपने भाषण और घोषणाओं में इतना वाक्पटु था कि लोग उसके मुरीद हो जाते थे। और फिर भी, उसका धर्मशास्त्र उतना अच्छा नहीं था। और प्रिस्किल्ला और अक्विला उसे अपने साथ ले जाते थे ताकि उसके धर्मशास्त्र को सही कर सकें।

प्रथम कुरिन्थियों में, हम देखते हैं कि लोग इन लोगों का अनुसरण सिर्फ इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उनमें किसी तरह की शिक्षा का संचार हुआ है जो सभी तरह की समस्याओं का कारण बन रही है। यहाँ कुलुस्से में, हम इस बारे में निश्चित नहीं हैं कि क्या हो रहा है, लेकिन हम जानते हैं कि झूठी शिक्षा के घुसपैठ का एक स्वाभाविक परिणाम यह है कि लोगों के एक साथ रहने की संभावना नहीं है। पॉल कहते हैं, मैं यह बड़ा संघर्ष कर रहा हूँ ताकि तुम सबकी ज़रूरत एक साथ हो, एक साथ रहने के लिए नहीं, बल्कि प्यार में एक साथ।

वह तीसरी बार भी अपने उद्देश्य को दिखाने के संदर्भ में इंगित करता है ताकि वे रहस्य को जान सकें। और रहस्य यह है कि कौन? मसीह। जैसा कि मैंने पिछले व्याख्यानों में उल्लेख किया था, पॉल वह दिखाने जा रहा है जिसे हम अकादमिक भाषा में उच्च क्राइस्टोलॉजी कहते हैं।

वह सब से ऊपर और सब में मसीह की सर्वोच्चता को दर्शाता है ताकि जो लोग धोखा खा गए हैं या झूठी शिक्षा में बह गए हैं, वे ऐसी शिक्षा की व्यर्थता को महसूस करेंगे और अपने विचारों, अपने जीवन और अपने विश्वासों को केवल मसीह पर केंद्रित करने के लिए वापस आएंगे। इसलिए यहाँ वह कहता है, मैं तुम्हारे लिए यह महान संघर्ष कर रहा हूँ। तीसरा, ताकि तुम परमेश्वर के रहस्य को जान सको।

तुम पूर्ण निश्चयता की सारी सम्पत्ति और परमेश्वर के रहस्य का ज्ञान पा सकते हो। और वह पद दो के अन्त में कहता है, जो मसीह है, जो मसीह है।

क्या आपको मसीह भजन के बारे में हमारी बातचीत याद है? क्या आपको पहले अध्याय में याद है, कैसे वह मसीह के बारे में शानदार तरीके से बात करता है क्योंकि उसने वास्तव में इस बात पर ध्यान आकर्षित किया कि परमेश्वर ने मसीह में कलीसिया के लिए क्या किया है, जिसके आधार पर उन्हें अपने विश्वास को दृढ़ करना चाहिए, अपना ध्यान केंद्रित रखना चाहिए, और झूठी शिक्षा के प्रभाव में नहीं आना चाहिए। पौलुस तीसरे पद में आगे बढ़ेगा, वास्तव में यह उजागर करते हुए कि यह मसीह कौन है जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं। वह कहता है कि इस मसीह में, यदि आप निश्चित नहीं हैं, तो सभी उपाय, बुद्धि और ज्ञान के सभी खजाने छिपे हुए हैं।

आप शायद अब तक सोच रहे होंगे कि यह आदमी ज्ञान, बुद्धि और समझदारी से इतना प्रभावित है। लेकिन चलिए एक पल रुकते हैं। फिर से, आइए अध्याय एक से शुरू करते हैं या फिर उस पर विचार करते हैं।

अब तक आपने जो शब्द सुने हैं, उनके बारे में सोचें कि मसीही बनने के लिए क्या करना चाहिए, ताकि झूठी शिक्षाओं के प्रभाव का सामना किया जा सके। सीखने जैसे शब्दों के बारे में सोचें। ज्ञान जैसे शब्दों के बारे में सोचें।

समझ जैसे शब्दों के बारे में सोचें। उन शब्दों के बारे में सोचें जो वास्तव में संज्ञानात्मक विकास के रूप में शिष्यत्व के किसी रूप की ओर इशारा करते हैं। और यहाँ वह कहता है, वास्तव में मसीह में बुद्धि और ज्ञान के सभी खजाने छिपे हुए हैं।

और फिर पौलुस चौथी आयत पर आगे बढ़ेगा। अपने महान संघर्ष के लिए एक और कारण बताने के लिए। मैं यह इसलिए कह रहा हूँ ताकि कोई तुम्हें धोखा न दे।

दूसरे शब्दों में, मैं यह कहता हूँ, और मैं यह इसलिए कह रहा हूँ ताकि कोई भी आपको ऐसी किसी बात के लिए राजी करने के लिए उचित तर्कों से भ्रमित न कर सके जिसके लिए आपको झुकना नहीं चाहिए। हालाँकि मैं शरीर से अनुपस्थित था, बेशक, वह जेल में था। फिर भी मैं आत्मा में तुम्हारे साथ हूँ, तुम्हारी अच्छी व्यवस्था और किस पर तुम्हारे विश्वास की दृढ़ता को देखकर आनन्दित हूँ? मसीह में।

आपका विश्वास जो मसीह में निहित है, जो मसीह में है, जो मसीह में और मसीह के प्रभुत्व में निहित है और जीया जाता है। मैं यहाँ एक बात रखना चाहता हूँ, बस आपका ध्यान आत्मा शब्द की ओर आकर्षित करने के लिए। यहाँ आत्मा शब्द का क्या अर्थ है, यह जानना अक्सर चर्चा का केंद्र रहा है।

क्या यह मानव आत्मा है या पवित्र आत्मा? यदि आपके पास कुलुस्सियों पर एक पुस्तक है, तो आप इसे स्पष्ट करने के लिए तीन से अधिक वाक्य देख सकते हैं, विशेष रूप से टिप्पणीकारों के बीच। संदर्भ ESV में यहाँ जो अनुवाद हम देखते हैं, उससे अधिक संकेत देता है, जो मानव आत्मा का उल्लेख करता है। सांस्कृतिक रूप से, हालाँकि, मानव आत्मा किसी आध्यात्मिक घटक से अलग नहीं है।

दूसरे शब्दों में, प्राचीन मानवशास्त्र में, यह कहना कि मैं एक व्यक्ति हूँ, इसका मतलब यह नहीं है कि मैं सिर्फ एक भौतिक प्राणी हूँ। मेरे पास शरीर, आत्मा और आत्मा है। और इसलिए, आत्मा और शरीर अक्सर आपस में जुड़े होते हैं।

और यही कारण है कि आप इसे कैसे अनुवाद करें, इस पर कुछ बहस देख सकते हैं या पा सकते हैं। और फिर भी, अपनी अंग्रेजी बाइबिल में देखें, बहुत से अनुवादक आत्मा को मानवीय आत्मा के रूप में स्वीकार करते हैं। यहाँ से, यह आयत 1 से 5 तक का अंश है, जैसा कि मैं आपका ध्यान आकर्षित करता हूँ।

इसे अध्याय 1 के अनुवर्ती या निरंतरता के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है या एक अलग पैराग्राफ के रूप में देखा जा सकता है जो वास्तव में पॉल की सेवकाई की प्रकृति या महत्व को व्यक्त करता है। यहाँ से, हम पॉल को मामले के मूल तक पहुँचते हुए देखेंगे। वह आगे वह बताएगा जिसे विद्वान कभी-कभी कुलुस्सियों के कथन के रूप में देखते हैं।

मुझे नहीं पता कि मैं कितनी उम्र की थी। मुझे पता है कि आप शायद सोचते होंगे कि मैं जवान हूँ। आपकी तारीफ के लिए शुक्रिया।

लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं कितने साल का था जब मैंने कुलुस्सियों 2 आयत 6 को याद किया, यह भी नहीं जानता था कि यह पत्र के लिए कितना महत्वपूर्ण है। इसलिए कभी-कभी, मैं छात्रों को प्रभावित करने के लिए बस खड़े होकर कहता हूँ, आप जानते हैं, कुलुस्सियों 2 आयत 6, जैसा कि आपने मसीह यीशु को प्रभु के रूप में ग्रहण किया है, वैसे ही उसमें चलते रहें। और फिर आपके पास ऐसे शब्द हैं जिनका यहाँ अंग्रेजी में अच्छी तरह से अनुवाद नहीं किया गया है।

ग्रीक में, हम उन्हें कृदंत कहेंगे। और अगर मैं ESV के अनुवाद का अनुवाद करूँगा या अगर मैं इसका फिर से अनुवाद करूँगा, तो मैं इसका अनुवाद इस तरह करूँगा कि जड़ पकड़ते हुए, उसमें बनते हुए, और विश्वास में दृढ़ होते हुए, जैसा कि आपको धन्यवाद में बढ़ते हुए सिखाया गया था। फिर से, आप वहाँ शैक्षणिक पहलू देखते हैं, झूठी शिक्षा से निपटने का शिक्षण घटक।

तो आइए इन दो खास आयतों को देखना शुरू करें, जो कुलुस्सियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, और उन्हें थोड़ा अलग करके देखें। तो, आयत 6 में प्राप्त करना किस बात को संदर्भित करता है? वे क्या प्राप्त कर रहे हैं? क्या यह उस परंपरा का संदर्भ है जिस पर ये नई कलीसियाएँ बनी हैं? क्योंकि हमारे पास नए नियम में बहुत से संदर्भ हैं जो परंपरा प्राप्त करने के संदर्भ में प्राप्त शब्द का उपयोग करते हैं, जैसा कि आपने प्राप्त किया है। लेकिन स्पष्ट रूप से, कुलुस्सियों और आयत 6 में, पौलुस उस वाक्य में परंपरा के बारे में सीधे बात नहीं कर रहा है या दिलचस्पी नहीं रखता है।

लेकिन कभी-कभी, जब हम ग्रहण करने के बारे में बात करते हैं, तो कुछ लोगों ने बपतिस्मा में यीशु मसीह के प्रभुत्व को ग्रहण करने के बारे में सोचा है, क्योंकि निम्नलिखित चर्चा में स्पष्ट रूप से मसीह की पीड़ा के संबंध में बपतिस्मा शब्द का उल्लेख किया गया है। खैर, यहाँ जो चल रहा है, वह यह है कि पाठ में शाब्दिक रूप से लिखा है, जैसा कि आपने मसीह यीशु को प्रभु के रूप

में ग्रहण किया है, इसलिए उसमें चलें। इसलिए, उद्देश्य स्पष्ट है, जैसा कि आपने मसीह यीशु को ग्रहण किया है, इसलिए उसमें चलें।

इसलिए, इसे पढ़ने का सबसे स्वाभाविक तरीका यह है कि मसीह को प्राप्त करने के बारे में सोचा जाए, न कि परंपरा के बारे में। और जरूरी नहीं कि जिस वस्तु को प्राप्त किया जा रहा है उसे बपतिस्मा के संदर्भ में ही लिया जाए। हां, इस शब्द का इस्तेमाल अन्यत्र भी इसी संदर्भ में किया गया है।

लेकिन यहाँ वह मसीह को स्वीकार करने की ओर इशारा कर रहा है। याद रखें मैंने आपको बताया था कि मसीह सर्वोच्च है। वह सभी चीज़ों में है।

उसने सभी चीज़ों की रचना की है। वह कुलुस्सियों की हर चीज़ में मौजूद है। और वह हर चीज़ पर सर्वोच्च है।

कुलुस्सियों की पुस्तक में हम उच्च मसीह-विद्या के सिद्धांत को पाते हैं। क्यों? ताकि लोग ऐसी शिक्षाओं के आगे न झुकें जो उन्हें मसीह की इच्छा के अनुसार उनके मूल स्थान से दूर ले जाएँ।

इसलिए, पिछले कथन से एक निष्कर्ष यह निकलता है। जैसे तुमने मसीह यीशु को ग्रहण किया है, वैसे ही चलो। वहाँ चलने के लिए शब्द का शाब्दिक अर्थ चलना या पीछे की ओर चलना नहीं है।

लेकिन यह आचरण, जीवन जीने का तरीका ज़्यादा है। ग्रीक शब्द का अनुवाद आचरण किया जा सकता है। इसलिए, हो सकता है कि आपको अपने कुछ अंग्रेज़ी अनुवाद मिलें, शब्द का इस्तेमाल नहीं किया जाता है, शाब्दिक शब्द चलना का अनुवाद इस तरह नहीं किया जाता है।

लेकिन इसका अनुवाद जीवन जीने के तरीके के रूप में किया गया है। जैसे आपने प्रभु यीशु मसीह को ग्रहण किया है, वैसे ही अपना मसीही जीवन जिएँ। और ऐसा करते हुए, जड़ पकड़ें।

इसे देखिए। यहाँ बागवानी शब्दावली का इस्तेमाल किया गया है। अगर बागवानी शब्द बहुत बड़ा है, तो मैं कृषि शब्दावली का इस्तेमाल करना पसंद करता हूँ।

यह एक ऐसी सभ्यता है जिससे अधिकांश लोग बहुत परिचित हैं। कृषि और वास्तुकला संबंधी सामान। आप जानते हैं, अंग्रेज़ी में, हमारे पास कोरिंथियन स्तंभों और प्राचीन कोरिंथ के स्तंभों को संदर्भित करने वाली सभी अभिव्यक्तियाँ हैं।

इनमें से कुछ जगहों पर उस समय बहुत सारी उन्नत वास्तुकला और कृषि गतिविधियाँ थीं। इसलिए, जब पॉल इनमें से कुछ भाषाओं का उपयोग करता है, तो वे लोगों की सुनने की क्षमता से बहुत अलग नहीं होंगी। और इसलिए जड़ से जुड़े होने के कारण, वे वास्तव में इसे इस तरह से समझ सकते थे।

वे इसे उपजाऊ मिट्टी के संदर्भ में समझ सकते हैं जिस पर बीज बोया जाता है। बीज बढ़ता है, और जड़ में इतनी ठोस नींव होती है कि यह दृढ़ और मजबूत हो सकती है ताकि तूफानों के बीच में, ये पेड़ या पौधे टूट न जाएँ या झुक न जाएँ या वास्तव में अपना मार्ग न खोएँ। इसलिए जैसा कि आपने मसीह यीशु को प्रभु के रूप में ग्रहण किया है, वैसे ही उसमें चलते रहें।

जड़ जमाए रखना, उसमें अच्छी तरह से जम जाना। फिर वह एक और शब्द का इस्तेमाल करता है, आर्किटेक्चरल शब्द, जो उसके अंदर बन रहा है। यह एक आर्किटेक्चरल शब्द है जो किसी बड़ी इमारत की नींव को संदर्भित करता है।

कल्पना कीजिए कि आप एक ऐसी जगह पर ठोस नींव पर बने हैं, जहाँ सैन फ्रांसिस्को की तरह भूकंप आने की संभावना है। कि नींव यह सब झेल सकती है। अब, अगर आप इस पर बने हैं, तो जब ताकतें आती हैं, जब तूफान आते हैं या अन्य चीजें आती हैं, तो आप किसी भी तरह से हिलेंगे या टूटेंगे या चकनाचूर नहीं होंगे क्योंकि आप एक मजबूत जगह पर हैं।

वास्तव में, जैसे कि पॉल ने अपनी बात समाप्त कर ली थी, उसने एक और शब्द का इस्तेमाल किया। यहाँ, मुझे इस बात को लेकर सावधान रहना होगा कि मैं इस विशेष शब्द के कानूनी हिस्से पर कितना अधिक जोर देता हूँ। यह पॉल द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला अगला शब्द है, और बागवानी और वास्तुकला की भाषा के अलावा, यहाँ यह एक कानूनी शब्द है।

यह एक ऐसा शब्द है जो आम तौर पर किसी चीज़ को मान्य करने, किसी चीज़ को स्थापित करने के लिए मान्यता का भाव रखता है। और उसके लिए यह कहना कि, वास्तव में, आपको उस सीमा तक विश्वास में स्थापित या पुष्ट होना चाहिए कि आपकी वैधता और आपके आधार, वे आधार जिनके आधार पर आप विश्वास में खड़े हैं, अडिग हैं। तो, ध्यान दें कि वह यहाँ क्या कर रहा है।

वह एक मजबूत बयान स्थापित करने के लिए ऐसी भाषा का उपयोग कर रहा है जो उनके लिए बहुत ही परिचित है। इसलिए जैसा कि आपने प्रभु यीशु मसीह को ग्रहण किया है, अपना आचरण इस तरह से करें, इस तरह का जीवन जियें। इसे जीवन का वह तरीका बनायें जिसे आप अपनाएँगे।

और ऐसा करते हुए, कृषि के बारे में सोचें। और उसमें निहित रहें। अगर वह परिचित नहीं है, तो वास्तुकला के बारे में सोचें।

और एक मजबूत नींव पर स्थापित हो जाओ। और अगर यह पर्याप्त नहीं है, तो कानूनी चीजों के बारे में सोचो। उसमें स्थापित, पुष्टि या मान्य हो जाओ।

इस तस्वीर को स्पष्ट करने का एक और तरीका है जिसे मैं कुछ मिनटों या कुछ सेकंड में पेश करूंगा। लेकिन मैं एक शिक्षक के रूप में अंत में अभिव्यक्ति के बारे में बात करना नहीं चाहता, जैसा कि आपको सिखाया गया था। जैसा कि आपको सिखाया गया था, झूठी शिक्षा से निपटने के लिए, यह मायने रखता है कि लोगों की मानसिक प्रक्रियाओं को आकार दिया जाए और बदला जाए।

और यह उनके जीवन के तरीके को प्रभावित करता है। और इसलिए यहाँ न केवल संज्ञानात्मक आयाम पर जोर दिया गया है जिस पर मैं इस निर्देश में जोर देता रहता हूँ, बल्कि वास्तव में अब हम एक और आयाम देखते हैं जो स्पष्ट, शैक्षणिक है। जैसा कि आपको सिखाया गया था, आपको यह जानना चाहिए था।

जैसा कि आपको सिखाया गया था, आपको इसमें जड़ जमाकर और स्थापित होकर रहना चाहिए। अगर यह ठीक से काम करता है, तो इस तरह की कल्पना के साथ जीए गए एक ईसाई जीवन की कल्पना करें। अब आप तीन आयामों को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं।

और आप कहते हैं, अगर यह कुलुस्से में मसीह में किसी की नींव को परिभाषित करता है, तो क्या झूठे शिक्षकों के प्रभाव से समन्वयवादी धार्मिक ढांचे की ओर ले जाने का कोई कारण होगा? जवाब नहीं है, क्योंकि हमेशा मसीह पर जोर दिया गया है। मसीह वह होना चाहिए जिसमें आप रहते हैं, जिस पर आप विश्वास करते हैं, जिसके माध्यम से आपको मुक्ति मिली है। और वह वास्तव में आपका आदर्श है।

आपने उसे प्राप्त किया है, उसमें चलें। जैसा कि जेम्स डन कहते हैं, जैसा कि आपको सिखाया गया था, जड़ खोदना, नींव रखना, गारंटी देना और एक नए चर्च की स्थापना में शिक्षा के चरित्र को प्रदान करना पुष्टि करता है। यह शिक्षा सुसमाचार से कुछ अतिरिक्त या उससे कम महत्वपूर्ण नहीं थी।

यह विश्वास के एक नए समुदाय का आधार था और इसका गठन किया। यहाँ से, हम शिक्षण कथन के विस्तार की ओर बढ़ते हैं, और पॉल पद 18 से 8 से 15 तक खोलना शुरू करेंगे, क्षमा करें। और मैंने पढ़ा, सावधान रहो कि कोई तुम्हें दर्शनशास्त्र और व्यर्थ छल के द्वारा बंदी न बनाए, जो मानवीय परम्परा के अनुसार, संसार की मूल आत्माओं के अनुसार, और मसीह के अनुसार नहीं है।

क्योंकि उसमें ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है, और तुम उसी में परिपूर्ण हो गए हो, जो सारी प्रधानता और अधिकार का शिरोमणि है। उसी में तुम्हारा वह खतना हुआ जो मसीह के खतने से शरीर की देह उतार देने से हाथों से नहीं होता। पद 12, उसी के साथ बपतिस्मा में गाड़े गए, जिस में परमेश्वर की सामर्थ्य पर विश्वास करने से उसके साथ जी भी उठे, जिस ने उसे मरे हुआओं में से जिलाया।

और तुम जो अपने अपराधों और अपने शरीर की खतनारहित अवस्था में मरे हुए थे, परमेश्वर ने उसके साथ जीवन बनाया, और हमारे सब अपराधों को क्षमा करके मृत्यु का वह अभिलेख जो हमारे विरुद्ध था और उसकी विधिक माँगों को मिटा दिया। इसे अलग रखा गया है; क्रूस पर घुटने टेककर, उसने शासकों और अधिकारियों को निहत्था कर दिया और उन पर विजय प्राप्त करके उन्हें खुलेआम लज्जित किया। उसमें, मुझे यह अंश पसंद है।

मुझे एक ऐसा अंश पसंद है जो परमेश्वर की शक्ति को दर्शाता है और मसीह ने जो कुछ किया है उसमें शक्तियों की विफलताओं का पूरा प्रदर्शन करता है। लेकिन आगे बढ़ने से पहले आइए इस

अंश में कुछ अवलोकन करें। आप शायद यह नोट करना चाहें कि इस अंश में एक बड़ी चेतावनी के साथ-साथ उप-इकाइयाँ भी आती हैं।

आप यह भी देख सकते हैं कि चेतावनी में, सतर्कता के लिए सीधा आह्वान किया गया है, और इस शब्द में, इस विशेष अंश में दर्शन शब्द शामिल है। दरअसल, यही कारण है कि, अगर आपको याद हो, तो परिचय में, मैंने उल्लेख किया था कि कुछ दर्शनशास्त्र चल रहे थे। यह मुख्य रूप से इस विशेष श्लोक और यहाँ दर्शनशास्त्र के उल्लेख के कारण है।

आप देखेंगे कि इस दर्शन को अलग-अलग रूपों में खोला जाएगा। जैसा कि आप इस अंश में चल रही बातों पर गौर करते हैं, आप यह भी देख सकते हैं कि यह सतर्कता का आह्वान है। सतर्कता का आह्वान एक तरह से जो वास्तव में व्यक्तिगत जिम्मेदारी की मांग करता है।

यूनानी काल और निर्माण से पता चलता है कि यह वही है जो आप स्वयं कर सकते हैं। परमेश्वर की कृपा से, आइए इसे इसी के द्वारा स्पष्ट करें, भले ही पौलुस ने पाठ में ऐसा नहीं कहा है।

आप इसे खुद भी कर सकते हैं, और आपसे यही अपेक्षा की जाती है। और आपसे यही अपेक्षा करते हुए, आप इस दर्शन की प्रकृति को समझना चाहते हैं जिसके बारे में हम यहाँ बात कर रहे हैं। यहाँ चल रहा सारा खोखला धोखा।

इसका स्रोत मानवीय परंपरा के अनुसार है। यह ईश्वर का नहीं है, और यह मसीह का भी नहीं है। इसकी विषय-वस्तु ग्रीक अभिव्यक्तियों में जिसे हम कॉस्मो के लिए स्टोइकिया कहते हैं, उसके अनुसार है।

आपको परेशान करने के लिए ग्रीक भाषा का प्रयोग करने के लिए क्षमा करें। मैं अब तक खुद को रोक रहा था कि चर्चा में कोई ग्रीक भाषा न लाऊँ। लेकिन आपकी खातिर, आइए हम इस शब्द का ही प्रयोग करें जिसका अनुवाद मौलिक आत्मा के रूप में किया गया है।

और मौलिक आत्मा को थामे रहो क्योंकि मैंने पहले जो पढ़ा था उसमें भी इस अभिव्यक्ति का मौलिक आत्मा के रूप में अनुवाद किया गया था क्योंकि हमें यह समझने में सक्षम होना चाहिए कि वह क्या है। यदि आपके पास चार अंग्रेजी बाइबल हैं और आप उन्हें पढ़ रहे हैं, तो आप देखेंगे कि वे शब्द का उसी तरह अनुवाद नहीं करते हैं। इसके बाद, पॉल वास्तव में उस मुख्य बिंदु को उजागर करेगा जिस पर वह जोर देने की कोशिश कर रहा है।

यह दर्शन, मूल बात यह है कि, मसीह का नहीं है। यह मसीह का नहीं है। इसे मसीह का होना ही चाहिए।

लेकिन यह सब मसीह का नहीं है। तो, आइए वापस जाएं और देखें कि वह अभिव्यक्ति क्या है। ये यूनानी अभिव्यक्तियाँ जो कभी-कभी सभी शिक्षाविद कहते हैं, और आपको यह भी नहीं पता कि क्या हो रहा है, आपको ग्रीक लगती हैं। लेकिन आइए समझने की कोशिश करें कि क्या हो रहा है और आपके द्वारा उपयोग की जाने वाली बाइबलों में अलग-अलग अनुवाद क्यों हो सकते हैं।

यह अभिव्यक्ति वास्तव में धार्मिक शिक्षाओं के तत्वों या बुनियादी सिद्धांतों का अर्थ या संदर्भ हो सकती है। इसलिए, कुछ लोग इसका अनुवाद उस अर्थ को दर्शाने के लिए करेंगे। दूसरा, यह प्राचीन यूनानी ब्रह्माण्ड संबंधी या विश्वदृष्टि में भौतिक दुनिया के एक मौलिक हिस्से का अर्थ भी दर्शा सकता है।

इसमें पानी, हवा और आग जैसी चीजें शामिल होंगी। और वास्तव में, जो लोग आध्यात्मिक शक्तियों, राक्षसों और इन सभी के बारे में बात करने में बहुत सहज नहीं हैं, वे इन दो अनुवादों में से किसी एक को पसंद करेंगे। हाल के कुछ अनुवादों में आपको जो अनुवाद मिलेगा, वह आध्यात्मिक शक्तियों के संदर्भ में इन मौलिक आत्माओं का उल्लेख कर रहा है।

इस चर्चा में एक प्रमुख आवाज़ एक विद्वान की है जिसका मैंने पहले उल्लेख किया था, जिसकी कुलुस्सियों के उद्देश्य के बारे में समझ अब वही है जो हम सभी को लगता है कि परीक्षण में क्या हो रहा है, इसे सबसे अच्छी तरह से समझाती है। उसका नाम क्लिंट अर्नोल्ड है, जो बायोला विश्वविद्यालय में पढ़ाता है। क्लिंट का तर्क है कि इस अभिव्यक्ति को प्राचीन साहित्य से सबसे अच्छी तरह से समझा जाना चाहिए जिसका वह बारीकी से अध्ययन करता है और इस विशेष अभिव्यक्ति से संबंधित सभी सबूतों को इकट्ठा करता है; इसे समझने का सबसे अच्छा तरीका इसे कुछ ऐसा समझना है जिसमें आध्यात्मिक अस्तित्व का घटक है। इसलिए, दूसरे शब्दों में, इन चार शिक्षकों की शिक्षाएँ मानव परंपरा से आती हैं, और उनकी शिक्षाएँ भी किसी प्रकार की दुष्ट आध्यात्मिक गतिविधि के अनुसार हैं, और स्पष्ट रूप से, वे मसीह की नहीं हैं।

इस शब्द को समझने की कोशिश में, क्लिंट लिखते हैं, स्टोइकिया का इस्तेमाल फ़ारसी धार्मिक परीक्षणों, मैजिका पपीरी, ज्योतिषीय परीक्षणों और कुछ यहूदी दस्तावेज़ों में आध्यात्मिक प्राणियों के लिए किया जाता है। इस प्रकार यह शब्द पॉल की शब्दावली के भंडार में एक और शब्द का प्रतिनिधित्व करता है, जो कुलुस्सियों में अंधकार की शक्ति, साथ ही प्रधानता, शक्तियाँ, अधिकार और सिंहासन को संदर्भित करता है। यहाँ पॉल की शिक्षा का मूल बिंदु यह है कि कुलुस्से में खतरनाक शिक्षा की जड़ शैतानी है।

व्हीटन में पढ़ाने वाले एक अन्य सहकर्मी ने कहा कि अधिकांश प्राचीन लोग भौतिक और आध्यात्मिक दुनिया में उस तरह से स्पष्ट रूप से अंतर नहीं करते थे जिस तरह से हम आज करते हैं। विशेष रूप से स्वर्गीय पिंडों को नियमित रूप से आध्यात्मिक प्राणियों के साथ जोड़ा जाता है या उनकी पहचान भी की जाती है। इसलिए, कुलुस्से में कई टिप्पणीकार सूक्ष्म आत्माओं के बारे में बात करते हैं। यदि आप समझते हैं कि यहाँ क्या हो रहा है, या यदि आप उस विचार पर कायम रहते हैं, तो जब हम इफिसियों में पहुँचेंगे, तो कुछ चीजें आसान हो जाएँगी क्योंकि इफिसियों में भी इसी तरह का तर्क दिया जाएगा कि मसीह से पहले का जीवन वास्तव में एक ऐसा जीवन है जो मसीह के बिना दुनिया, दुनिया की दुष्ट आध्यात्मिक शक्तियों और शरीर की इच्छाओं से प्रभावित होता है।

इफिसियों ने इफिसियों 2, आयत 1 से 3 में कुछ मानवीय सांसारिक घटकों को शामिल किया है और कुछ दुष्ट आध्यात्मिक गतिविधियों को भी शामिल किया है, जिस तरह से हम यहाँ कुलुस्सियों में देख रहे हैं। यदि आप इस रूपरेखा को समझते हैं, तो आइए उस परीक्षण को फिर से देखना

शुरू करें, आयत 8 से 15। आप अधिक स्पष्टता के साथ महसूस करना शुरू करते हैं कि आप उसमें जीवन की पूर्णता तक पहुँच चुके हैं, अर्थात् मसीह में, जिसमें परमेश्वर की पूर्णता निवास करती है।

इसलिए, चर्च को किसी भी चीज़ के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं होगी। दूसरा, आपको एहसास होगा कि मसीह मुखिया है। कुछ अनुवादों में, मसीह मुखिया है को उसी पंक्ति में रखा गया है जैसे कि ऐसा लगता है कि वह सभी नियमों और अधिकारियों का मुखिया है, जो उसे उन पर मुखिया बनाता है।

लेकिन अगर आप उन शब्दों को शासकों और अधिकारियों के संदर्भ में नियमों और अधिकारियों के लिए अनुवाद करते हैं, तो वह कह रहा है कि मसीह वास्तव में इन सभी प्रधानताओं और शक्तियों से ऊपर है। इसलिए, वहाँ मुखिया जरूरी नहीं कि पंक्ति में सबसे पहले हो या बराबर वालों में सबसे पहले हो या जो सबसे प्रमुख हो, बल्कि वह है जिसके पास मुखियापन है और जो उन सभी को नियंत्रित करता है। उसके पास उन्हें अपने अधीन लाने की शक्ति है।

तो फिर मसीह में ही तुम्हारा खतना हुआ है, श्लोक 11. तो, आप देख रहे होंगे कि मसीह हर चीज़ और हर चीज़ में है, यहाँ बहुत सी चीज़ों के केंद्र में है। लेकिन आइए रुकें और इस शब्द, खतना के बारे में सोचें।

इसका क्या मतलब है? और शायद मुझे पद 11 पढ़ना चाहिए। उसी में तुम भी बिना हाथ के किए गए खतने से खतना किए गए, मसीह के खतने से शरीर के मांस को उतारकर बपतिस्मा में उसके साथ गाड़े गए, जिसमें तुम भी उसके साथ परमेश्वर के शक्तिशाली कार्य में विश्वास के द्वारा जी उठे, जिसने उसे मृतकों में से जीवित किया। यहाँ खतने का क्या मतलब है? बाइबिल में कई जगहों पर खतने के इतने सारे अर्थ हैं, और आप जानते हैं कि जब हम खतने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जो बात दिमाग में आती है, वह है हाथ से किया गया खतना।

लेकिन हम यह भी जानते हैं कि इस पाठ में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यह हाथ से किए गए खतने का उल्लेख नहीं कर रहा है। तो, यहाँ क्या हो रहा है? खैर, आप इसे पढ़कर कह सकते हैं कि यह ईसाई धर्म परिवर्तन के संदर्भ में खतने का उल्लेख कर रहा है। क्या यही है? क्या यह मसीह का खतना है, ईसाई धर्म परिवर्तन? कुछ टिप्पणीकार इसके लिए तर्क देंगे।

या फिर यह बपतिस्मा या खतना को वाचा के संस्कार के रूप में संदर्भित करता है? संदर्भ से ऐसा लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं है। इसलिए, यह पाठ को पढ़ने के सबसे कम संभावित तरीकों में से एक है। इस विशेष परीक्षण में खतना को पढ़ने का सबसे संभावित तरीका, जैसा कि अधिकांश हालिया टिप्पणीकार सहमत होंगे, इसे मसीह की पीड़ा और मृत्यु के रूपक के रूप में देखना है।

इसलिए यदि आपके मन में मसीह की पीड़ा और मृत्यु है, तो आइए फिर से एक पाठ देखें जो कहता है, उसमें, मसीह में भी, हम बिना हाथों के किए गए खतने से खतना किए गए, मसीह के खतने से मांस के शरीर को उतारकर, बपतिस्मा में उसके साथ दफनाए गए, जिसमें आप भी

उसके साथ परमेश्वर के शक्तिशाली कार्य में विश्वास के माध्यम से जी उठे, जिसने उसे मृतकों में से जी उठाया। यह बहुत, बहुत आसान है, जैसा कि हम कुछ और बाद के टिप्पणीकारों के बीच पाते हैं, पाठ में बपतिस्मा को वापस पढ़ना। लेकिन अगर आप खतना बपतिस्मा बनाते हैं और इसे इस तरह पढ़ते हैं तो व्याकरण अजीब लगता है।

लेकिन अगर आप इसे किसी तरह की पीड़ा के रूप में देखते हैं, मसीह के साथ किसी तरह की पहचान के रूप में, तो यह समझ में आने लगता है। मसीह की इस चेतावनी को देखते हुए, पौलुस इस तथ्य पर प्रकाश डालता है कि मसीह में, जो लोग अपराधों में मरे हुए हैं, उन्हें जीवित किया जा रहा है - आयत 13।

शायद इस परीक्षण में आपको एक दिलचस्प विशेषता दिखेगी यदि आप इस परीक्षण को अपने सामने देख रहे हैं तो आप कुछ ऐसा देखेंगे जो आप ध्यान में रखेंगे। और यदि आप बुरा न मानें तो आप रुक सकते हैं और फिर अपनी बाइबल को ध्यान से देख सकते हैं। आप देखेंगे कि मसीह के साथ शारीरिक रूप से जो कुछ हुआ है उसका वर्णन आध्यात्मिक रूप से विश्वासियों के साथ जो कुछ हो रहा है उसके अनुरूप शब्दों में किया जा रहा है।

मसीह मर गया। विश्वासी अपने पापों और अपराधों में मरे हुए थे। परमेश्वर की सामर्थ्य ने उसे मृतकों में से जिलाया।

परमेश्वर इन विश्वासियों को पापों में मृत्यु की स्थिति से उठाकर मसीह के साथ रहने के लिए उठा रहा है। पौलुस मसीह में होने पर जोर दे रहा है। मसीह में, मसीहियों ने कुछ हासिल किया है।

और वास्तव में, भगवान के प्रति उनका जो ऋण है, वह समाप्त हो चुका है। मुझे नहीं पता कि आपके पास अपने छात्र जीवन के कितने ऋण हैं। मुझे नहीं पता कि आपके पास कितना ऋण है, जैसा कि मुझे पता है।

और मुझे नहीं पता कि आप इस बात को लेकर कितना चिंतित रहते हैं कि आप पर कितना कर्ज है और यह आपके सिर पर कितना भारी बोझ डाल सकता है और कभी-कभी आपको अपनी कुछ मान्यताओं से समझौता करने की प्रवृत्ति में डाल सकता है ताकि आप अपनी कुछ ज़रूरतों को पूरा कर सकें। पॉल कहते हैं कि मसीह में, कर्ज माफ कर दिया गया है। इसे माफ़ कर दिया गया है।

अब आप पर कोई कर्ज नहीं है। आप मन की शांति पा सकते हैं। अपने आस-पास के धोखे के आगे न झुकें।

वह आगे बताते हैं कि, वास्तव में, जो शक्तियां जिम्मेदार हैं, मेरा मतलब है कि दुष्ट आध्यात्मिक शक्तियां, जो सभी प्रकार की समस्याओं के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें निरस्त कर दिया गया है। और कल्पना को देखिए। यह बहुत सुंदर कल्पना है।

सबसे पहले, पद 14 से, प्रत्येक कानूनी मांग के साथ हमारे खिलाफ खड़े ऋणों के रिकॉर्ड को रद्द करके, यानी, IOU, उसे रद्द करके। इसे उसने क्रूस पर कीलों से जड़कर अलग कर दिया। पद

15, उसने शासकों और अधिकारियों को निहत्था कर दिया और अपने द्वारा उन पर विजय प्राप्त करके उन्हें खुलेआम शर्मिदा किया।

छवि यह है। एक शक्तिशाली व्यक्ति के बारे में सोचिए। गोलियत के बारे में सोचिए, जो शायद बाइबल में बताए गए गोलियत से भी बड़ा है, लेकिन जो डरावना भी है, जो डराने वाला है, मेरा मतलब है, जो आपको बस सिकोड़ने पर मजबूर कर देता है।

और सोचिए कि मसीह नामक एक शक्तिशाली व्यक्ति ईश्वर की शक्ति में आता है, इस शक्तिशाली व्यक्ति को निरस्त कर देता है, उसे शून्य कर देता है, और फिर उसका सार्वजनिक तमाशा बना देता है। जो कल्पना चल रही है वह प्राचीन दुनिया में जो हुआ था, उसका एकदम सही चित्रण है जब उन्होंने युद्ध किए, युद्ध जीते, और घर वापस आए। आम तौर पर, जब वे युद्ध जीतते हैं और राजा या सैन्य कमांडर को पकड़ने में सक्षम होते हैं, तो वे विजयी होकर आते हैं, अपनी लूट और अपने बंदियों की परेड करते हैं, और अपनी सड़कों पर चलते हैं और मार्च करते हैं।

यह उन लोगों के लिए जीत का एक बड़ा संकेत है जिन्होंने युद्ध जीता है। यह उन लोगों के लिए अपमान का भी एक बड़ा संकेत है जो युद्ध हार गए क्योंकि युद्ध के लिए नेतृत्व के मामले में उनका सबसे मजबूत अब उनके दुश्मनों के हाथों में है। यहाँ, हम देखते हैं कि पौलुस कहता है कि उसने शासकों और अधिकारियों को निहत्था कर दिया और उनके ऊपर विजय प्राप्त करके उन्हें खुलेआम शर्मिदा किया।

दूसरे शब्दों में, यदि आप कुलुस्से में रहते हैं, तो आप एक देवता डेमेटर के बारे में सोच सकते हैं। आप उपचार के देवता, एस्क्लेपियस के बारे में भी सोच सकते हैं, जिसका मंदिर हम जानते हैं कि वहाँ मौजूद था। आप अन्य धार्मिक समूहों के बारे में सोच सकते हैं, और आपको एहसास होगा कि ये सभी प्रभाव वास्तव में वहाँ हैं, और उनके प्रभाव के आगे झुकना बहुत आसान है।

पॉल कहते हैं, एक मिनट रुकिए, मसीह की तुलना में उनके पास जो भी शक्ति है, वे उतने शक्तिशाली नहीं हैं। और इसलिए, मसीह में अपनी स्थिति बनाए रखें। मुझे पसंद है कि मूर ने रद्द किए गए ऋण के बारे में यह कैसे कहा।

वह लिखते हैं कि पॉल का पहला शब्द चित्र एक दस्तावेज को दर्शाता है जिसमें सभी मनुष्यों ने एक IOU पर हस्ताक्षर किए हैं जिसमें हम परमेश्वर के प्रति पूर्ण निष्ठा की प्रतिज्ञा करते हैं। हमारे पाप इस बात के निर्णायक प्रमाण हैं कि हम परमेश्वर को वह निष्ठा देने में विफल रहे हैं। और इसलिए यह दस्तावेज हमारे खिलाफ है और हमें दोषी ठहराता है।

लेकिन परमेश्वर ने उस दस्तावेज़ को ले लिया है और उसे मिटा दिया है। वास्तव में, उसने इसे पूरी तरह से तस्वीर से हटा दिया है। वास्तव में, उसने दूसरे शब्दों में एक ऐसी तस्वीर पेश की है जो हटाने की पूर्णता और जिस माध्यम से इसे पूरा किया गया, दोनों को उजागर करती है।

उसने इसे सूली पर चढ़ा दिया। यह कोई गुप्त दस्तावेज नहीं है। यह एक बहुत बड़ी बात है।

तो, अगर ऐसा है, तो आप इन शब्दों को पढ़ने का आनंद कैसे लेंगे? और तुम, जो अपने अपराधों और अपने शरीर की खतनारहित अवस्था में मरे हुए थे, परमेश्वर ने उसके साथ मिलकर जीवन बनाया - हमारे सभी अपराधों को क्षमा करके और हमारे खिलाफ़ खड़े ऋण के रिकॉर्ड को उसकी कानूनी माँगों के साथ परामर्श दिया। इसे उसने क्रूस पर कीलों से जड़कर अलग कर दिया।

उसने शासकों और अधिकारियों को निहत्था कर दिया और अपने द्वारा उन पर विजय प्राप्त करके उन्हें खुलेआम शर्मिंदा किया। अब जब आप यह समझ गए हैं, तो अगर कोई आपको मसीह के अलावा कुछ और दे ताकि आप अपने जीवन में सुरक्षा, शांति और खुशहाली पा सकें, तो क्या आप झुकेंगे? पौलुस यहाँ बिल्कुल यही कर रहा है: कलीसिया को मसीह में अपना विश्वास बरकरार रखने और ऐसा जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करना जो उसे महिमा देगा। आयत 16 और 19 में, हम यहाँ एक दिलचस्प पैटर्न देखना शुरू करते हैं।

इसलिए, वह लिखता है, जो मैंने पहले कहा है, उसके आधार पर, किसी को भी आप पर निर्णय न लेने दें। अब, यह आपकी शक्ति में है। और आप देखेंगे कि यहाँ से, वह वास्तव में वक्र को मोड़ने जा रहा है, और वह कहेगा, श्लोक 16 से, आपको किसी को भी अपने ऊपर निर्णय न लेने देना चाहिए।

श्लोक 18 में, वह कहता है, तुम्हें किसी को भी तुम्हें अयोग्य नहीं ठहराने देना चाहिए। और जब तुम नीचे जाओगे, तब भी वह तुमसे कहेगा, तुम्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि तुम किसी को भी तुम्हें रोकने न दो। यह तुम्हारी शक्ति में है क्योंकि तुम्हें संसाधन दिए गए हैं।

यहाँ, अध्याय दो की शुरुआत से हम पाते हैं कि पौलुस ने स्पष्ट रूप से कहा है कि जैसे उन्होंने प्रभु यीशु मसीह को ग्रहण किया है, वैसे ही उन्हें उसमें चलना चाहिए। उसमें चलने के लिए उसमें जड़ जमाना, स्थापित होना और दृढ़ता से स्थापित होना आवश्यक है। परिणामस्वरूप, मसीह में जीने वाला जीवन ऐसा जीवन होना चाहिए जो इन सभी धोखे के आगे न झुके जो मनुष्यों या मानवीय परंपराओं से आते हैं या जो मूल आत्मा से आते हैं।

क्यों? क्योंकि वे मसीह में नहीं हैं। परिणामस्वरूप, पौलुस मामले को स्पष्ट करेगा और स्पष्ट रूप से स्थापित करेगा कि मसीह के साथ क्या हुआ है। हाँ, मसीह में, शत्रु पराजित हो गया है।

जो चीजें हमें अन्यथा ले जानी चाहिए, उनका हम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। और इसलिए, हम अपना ध्यान केंद्रित रख सकते हैं और केवल उसी पर विश्वास कर सकते हैं। इस व्याख्यान में अब तक हमने परिचय, अध्याय एक को कवर किया है।

अध्याय दो में, मैंने आपका ध्यान अध्याय दो, श्लोक एक से पांच के बारे में विद्वानों के मुद्दे की ओर आकर्षित किया। मैंने आपको यह भी याद दिलाया कि कुलुस्सियों में मामले का सार अध्याय दो, श्लोक छह और सात है। और फिर, हमने श्लोक आठ से 15 पर चर्चा की, जहाँ हम वास्तव में उस थीसिस कथन का विस्तार देखते हैं, जो चर्च के विश्वास को आधार प्रदान करता है।

जब हम अगले अध्याय में वापस आएं, तो मैं आपको इस बार व्यक्तिगत जिम्मेदारी के बारे में याद दिलाऊंगा, अब जब वे जानते हैं कि वे क्या जानते हैं, वे जानते हैं कि उन्हें क्या सिखाया गया है, और वे जानते हैं कि उन्होंने क्या विश्वास किया है। और उन्हें दिए गए संसाधनों को देखते हुए, उनसे प्रतिरोध करने की क्या अपेक्षा की जाती है। मुझे उम्मीद है कि आप अब तक जेल पत्रों पर बाइबिल अध्ययन व्याख्यान का आनंद ले रहे हैं।

आगे और भी रोमांचक चीजें आने वाली हैं। इसलिए हमारे साथ अध्ययन करते रहिए। धन्यवाद।

यह डॉ. डैन डार्को द्वारा जेल पत्रों पर व्याख्यान श्रृंखला में दिया गया व्याख्यान है। यह सत्र 4 है, मुख्य बात, कुलुस्सियों 2।